पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से मिले भारतीय प्रशासनिक एवं वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी

लखनऊः 14 सितम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज राजभवन में भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2015 बैच के 20 तथा भारतीय वन सेवा वर्ष 2013 बैच के 6 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की।

राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपने दायित्व एवं कर्तव्य को निभाने से पूर्व विचार अवश्य करें। अधिकारी के नाते कल क्या करना है उस पर भी विचार करें। ईमानदारी सर्वश्रेष्ठ नीति है। इस दृष्टि से अपनी जवाबदेही और कार्य के प्रति पारदर्शिता का अवश्य ख्याल रखें। अपने कार्य का स्वमूल्यांकन करें। पत्र व्यवहार की एक कार्यपद्धति निर्मित करें। उन्होंने कहा कि जनता और सरकार के प्रति आपकी जवाबदेही होती है, इसका अवश्य ध्यान रखें। निर्धारित पद्धति से आगे बढ़कर कुछ अच्छा करने का प्रयास करें।

श्री नाईक ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी कार्यपालिका के प्रमुख घटक के रूप में कार्य करते हैं। देश के संविधान के अनुरूप अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। आपका पद एक प्रतिष्ठित पद है, जिसका दायित्व प्रदेश एवं देश के विकास में अत्यन्त महत्वपूर्ण है और आम जनता के हित एवं विकास से जुड़ा है। योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी अधिकारियों पर निर्भर करती है। आम आदमी तक अपनी पहुंच बनाये। अच्छे व्यवहार से अधीनस्थ कर्मचारियों पर भी अच्छा प्रभाव होता है। अपना व्यक्तित्व ऐसा बनाये कि जनता आपसे निःसंकोच अपनी बात कह सके। उन्होंने कहा कि सबकी बात सुनने के बाद निष्पक्षता से जिम्मेदारी का निर्वहन करें।

राज्यपाल ने कहा कि यह प्रशंसा की बात है कि सरकारी सेवाओं में महिलायें भी आगे आ रही हैं। अब प्रशासनिक एवं अन्य सेवाओं में इंजीनियरिंग, चिकित्सा एवं अन्य क्षेत्रों से लोग ज्यादा आ रहे हैं। देश को ऐसे अधिकारियों की तकनीकी जानकारी का अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने व्यक्तित्व विकास के लिये अपने गुरू द्वारा दिये गये मंत्र भी बताये कि अपनी जिम्मेदारी को सदैव प्रसन्नचित होकर निपटाये, दूसरों के अच्छे कार्य की प्रशंसा करके उसका मनोबल बढ़ाये, किसी की अवमानना या निन्दा कर उसको हतोत्साहित न करें तथा हर कार्य को और बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने जीवन से जुड़े अंशों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने महालेखाकार कार्यालय में अपर डिविजन क्लर्क से नौकरी की शुरूआत की फिर वहां से त्यागपत्र देकर कम्पनी में मुख्य लेखाकार का दायित्व निभाया। कुछ दिनों बाद नौकरी छोड़कर मुम्बई बोरीवली से तीन बार विधायक रहे, फिर उत्तर मुम्बई लोकसभा से लगातार पांच बार सांसद हुए तथा 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में नियोजन, गृह तथा रेल राज्यमंत्री रहे। पूर्व प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी की दोबारा सरकार बनने पर पांच साल तक पेट्रोलियम मंत्री रहे। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव तथा राजभवन के इतिहास के बारे में भी प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ विचार साझा किये। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को यह भी बताया कि पारदर्शिता एवं जवाबदेही के मद्देनजर वे अपने राजनैतिक जीवन से लेकर आज तक अपना वार्षिक कार्यवृत्त प्रकाशित करते हैं।

अंजुम/ललित/राजभवन (333/25)